>

Title: Need to open Kendriya Vidyalayas in all Assembly Constituencies reserved for SC/ST in the country.

श्री सज्जन वर्मा (देवास): महोदय, मेरे द्वारा उठाए गए शून्यकाल का विषय ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को उचित और उच्च स्तरीय शिक्षा देना है। यह दुख का विषय है कि आजादी के 64 साल बाद भी ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की उचित व्यवस्था नहीं हो पाई है। यदि हम भारत के इतिहास पर नजर डालें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर में बहुत असमानता देखने को मिलती है। क्या किसान का बेटा अच्छी शिक्षा नहीं ले सकता है? क्या किसान या मजदूर के बेटे को पढ़ने का अधिकार नहीं है? सरकारों की परंपरा शहरों में बड़े स्कूल और कॉलेज खोलने की रही है। मेरा अनुरोध है कि केंद्र सरकार, मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा एक समग्र नीति, व्यावहारिक कार्य नीति बनाई जानी चाहिए ताकि गांव और शहर की शिक्षा की असमानता का स्तर कम हो सके। हम इस अंतर को आजादी के 64 वर्षों बाद भी कम नहीं कर पाए हैं। मुझे लगता है कि इसके लिए शायद 64 साल और लगेंगे। मेरा अनुरोध है कि कम से कम मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति बाहुल्य विधान सभा क्षेत्रों में एक-एक आवासीय स्तर के केंद्रीय विद्यालय खोलने का प्रावधान करे। ताकि कम से कम अनुसूचित जाति और जनजाति के वे क्षेत्र जो विकास की गति में काफी पिछड़े हुए हैं, वहां के बच्चों को उच्च शिक्षा मिल सके, एक ऐसे स्तर की शिक्षा मिल सके, जिनके बारे में हम बोलते हैं कि आने वाले समय में हमें भावी पीढ़ी का निर्माण करना है। लेकिन यह तभी हो पायेगा, जब गांव में हम शिक्षा के अच्छे वातावरण का निर्माण करेंगे। यदि हमें एक शिक्षित भारत का सपना देखना है तो कुछ नये पंख उन बच्चों को देने पड़ेंगे, ताकि वे भी अच्छी उड़ान भर सकें।

MR. CHAIRMAN: You are not demanding to increase the quota of MPs in every school.

श्री सज्जन वर्मा : मैंने डिमांड की है कि अनुसूचित जाति और जनजाति के क्षेत्रों में निश्चित रूप से एक-एक केन्द्रीय विद्यालय खुले। मेरे लोक सभा क्षेत्र में तीन अनुसूचित जाति के विधान सभा क्षेत्र हैं, आगर, आष्टा और सोनकछ। कम से कम इन तीनों अनुसूचित जाति की विधान सभाओं में एक-एक केन्द्रीय विद्यालय खोलें।

MR. CHAIRMAN: Please don't disturb. If anybody disturbs, I will not call his name.